SAMPLE QUESTION PAPER - 4

Hindi Core (302)

Class XII (2024-25)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)** **[10]**

संवाद में दोनो पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं। प्रायः एक व्यक्ति की संवाद मे मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुःखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है। बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक-सामाजिक पृष्ठभूमि को पल भर में बता देते है। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद सबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े-बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं। पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है कि एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ। श्रोता उन्हें कान से सुने और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है, तभी समस्याएँ सुलझने की संभावना बढ़ती है और कम-से-कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतो के भीतर है क्या?

सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है, जिसमें हम प्रायः अकुशल होते है। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता। हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं, तब दूसरे पक्ष को झुंझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला। रहीम ने ठीक ही कहा था-"सुनी अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहें कोय।" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है। लोग तो पेड़-पौधो से, नदी-पर्वतो से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा- "क्या आपने

सीता को देखा?" और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए।

(i) संवाद की सबसे बड़ी शर्त क्या है? (1)

(क) बोलने की कला

(ख) मौन भागीदारी

(ग) पूरे मनोयोग से सुनना

(घ) समस्या समाधान करना

(ii) रहीम के अनुसार लोग क्या नहीं करते हैं? (1)

(क) ध्यान से नहीं सुनते हैं

(ख) दूसरे की बात नहीं काटते हैं

(ग) बातों को बाँटते नहीं हैं

(घ) संवाद नहीं करते हैं

(iii) राम ने किससे संवाद किया था? (1)

(क) सीता से

(ख) पक्षी से

(ग) नदी से

(घ) पर्वत से

(iv) संवादहीनता से संवाद की मौन भागीदारी कैसे भिन्न होती है? (1)

(v) संवाद से संबंध कैसे बेहतर होते हैं और अशिष्ट संवाद का क्या प्रभाव होता है? (2)

(vi) श्रोता का ध्यान और धैर्य से सुनना क्यों आवश्यक है? (2)

(vii) सुनने का कौशल क्या है और हम इसमें अकुशल क्यों होते हैं? (2)

2. **निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (1x5=5)** **[8]**

धर्माधिराज का ज्येष्ठ बनूँ?
भारत में सबसे श्रेष्ठ बनूँ?
कुल की पोशाक पहन करके,
सिर उठा चलूँ कुछ तन करके?
इस झूठमूठ में रखा क्या है।
केशव ! यह सुयश, सुयश क्या है !
विक्रमी पुरुष, लेकिन सिर पर
चलता ने छत्र पुरखों का धर।
अपना बल तेज जगाता है,
सम्मान जगत से पाता है।
सब उसे देख ललचाते हैं।
कुल गोत्र नहीं साधन मेरा,

पुरुषार्थ एक बस धन मेरा,
कुल ने तो मुझको फेंक दिया।
मैंने हिम्मत से काम लिया।
अब वंश चकित भरमाया है,
खुद मुझे ढूँढने आया है।
जिस नर की बाँह गही मैंने।
जिप्त तक की छाँह गही मैंने
जीते जी उसे बचाऊँगा।
या आप स्वयं कर जाऊँगा।

(i) कविता में 'कुल की पोशाक पहन करके' से कवि का क्या तात्पर्य है? (1)

क) पारंपरिक वस्त्र धारण करना
ख) कुल (वंश) के नाम और प्रतिष्ठा को धारण करना
ग) समाज की परंपराओं का पालन करना
घ) कुल के प्रतीकों का पालन करना

(ii) 'पुरुषार्थ एक बस धन मेरा' पंक्ति में 'पुरुषार्थ' का क्या अर्थ है? (1)

क) शक्ति और संपत्ति
ख) परिश्रम और साहस
ग) ज्ञान और बुद्धिमत्ता
घ) सामाजिक प्रतिष्ठा

(iii) 'कुल ने तो मुझको फेंक दिया' पंक्ति में कवि के किस अनुभव का वर्णन किया गया है? (1)

क) समाज द्वारा स्वीकार किए जाने का
ख) वंश द्वारा नकारे जाने का
ग) कुल की प्रतिष्ठा में वृद्धि करने का
घ) समाज में उच्च स्थान प्राप्त करने का

(iv) कर्ण ने पांडव-कुलकी श्रेष्ठता को क्यों ठुकराया? (1)
(v) कर्ण किसे बचाने का संकल्प कर रहा है और क्यों? (2)
(vi) 'जिस नर की बाँह गही मैंने, जिप्त तक की छाँह गही मैंने' का क्या तात्पर्य है? (2)

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

(i) **जब मेरी पहली कविता छपी** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

(ii) **हिमालय का महत्त्व** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

(iii) **रेल से तीर्थयात्रा** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। [6]

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)** [8]

(i) संचार के साधन कौन-कौन से हैं? [2]

(ii) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं और फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहते हैं? [2]

(iii) समाचार लेखन के छह ककार कौन-कौन से हैं? [2]

(iv) नाटक को **दृश्य काव्य** की संज्ञा क्यों दी गई है? नाटक के मंच निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही क्यों लिए जाते हैं? [2]

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)** [8]

(i) "बीट " को परिभाषित करें। [4]

(ii) पत्र-पत्रिकाओं में खेलों के बारे में लिखने वाले पत्रकारों को किस विषय में जानकारी होनी चाहिए? किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए। [4]

(iii) फ़ीचर की क्या विशेषताएँ हैं? स्पष्ट कीजिए। [4]

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं-
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है!
दिन जल्दी- जल्दी ढलता है!

(i) पंथी को कहाँ रात होने की संभावना है?

क) पथ में | ख) बाज़ार में
ग) गली में | घ) घर में

(ii) क्या दूर नहीं है?

क) दुकान | ख) शहर
ग) मंजिल | घ) विद्यालय

(iii) कौन जल्दी-जल्दी चलता है?

क) शिक्षक | ख) विद्यार्थी
ग) पंथी | घ) अभिभावक

(iv) पंथी कैसे चलता है?

क) जल्दी-जल्दी ख) हँसकर

ग) दौड़कर घ) धीरे-धीरे

(v) दिन कैसे ढलता है?

क) जल्दी-जल्दी ख) आस्य से

ग) मंद गति से घ) धीरै-धीरे

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) **छोटा मेरा खेत** कविता में कवि ने **रस के अक्षय पात्र** से रचनाकर्म की किन विशेषताओं का इंगित किया है? **[3]**

(ii) राम कौशल्या के पुत्र थे लक्ष्मण सुमित्रा के। इस प्रकार वे परस्पर सहोदर (एक ही माँ के पेट से जन्मे) नहीं थे। फिर, राम ने उन्हें लक्ष्य कर ऐसा क्यों कहा- मिलइ न जगत सहोदर भ्राता? इस पर विचार करें। **[3]**

(iii) चिड़िया, फूल और बच्चों की उड़ान के साथ कविता की तुलना करते हुए कवि ने कविता को किसके समान बताया है और क्यों? **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों में तुलसी, जायसी, मतिराम, द्विजदेव, मैथिलीशरण गुप्त आदि कवियों ने भी शरद ऋतु का सुंदर वर्णन किया है। आप उन्हें तलाश कर कक्षा में सुनाएँ और चर्चा करें कि पतंग कविता में शरद ऋतु वर्णन उनसे किस प्रकार भिन्न हैं? **[2]**

(ii) दूरदर्शन के स्टूडियो में अपाहिज से क्या प्रश्न पूछे गए और क्यों? **[2]**

(iii) बादल राग कविता में बादल के लिए **ऐ विप्लव के वीर!, ऐ जीवन के पारावार!** जैसे संबोधनों का इस्तेमाल किया गया है। बादल राग कविता के शेष पाँच खड़ों में भी कई संबोधनों का इस्तेमाल किया गया है। जैसे- **अरे वर्ष के हर्ष!, मेरे पागल बादल!, ऐ निर्बंध!, ऐ स्वच्छंद!, ऐ उद्दाम!, ऐ सम्राट!, ऐ विप्लव के प्लावन!, ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!**, उपर्युक्त संबोधनों की व्याख्या करें तथा बताएँ कि बादल के लिए इन संबोधनों का क्या औचित्य है? **[2]**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात् भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए, जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको

उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह है कि दूध और पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है, क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इनमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो।

(i) लेखक के अनुसार एक आदर्श समाज के लिए क्या अपेक्षित है?

क) स्वतंत्रता
ख) लोकतंत्र
ग) समानता
घ) गतिशीलता

(ii) सबको किनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए?

क) दलितों की
ख) लोकतंत्र की
ग) सरकार की
घ) स्वयं की

(iii) भाईचारे के वास्तविक रूप को क्या कहा जाता है?

क) दूध
ख) समाज
ग) लोकतंत्र
घ) पानी

(iv) लेखक ने दूध और पानी के मिश्रण के माध्यम से क्या स्पष्ट करना चाहा है?

क) उच्च-निम्न का भेद
ख) उपयोगी और मूल्यहीन वस्तु
ग) असमानता का भाव
घ) भेदभाव की समाप्ति

(v) लोकतंत्र में क्या आवश्यक माना गया है?

क) सभी विकल्प सही हैं
ख) उच्च वर्ग का आरक्षण
ग) सरकार की महत्त्वपूर्ण भूमिका
घ) साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) लुट्टन सिंह पहलवान के दोनों पुत्रों की भावी पहलवान के रूप में घोषणा होने में लुट्टन सिंह का क्या योगदान था? **[3]**

(ii) लेखिका के घर आने के बाद दूसरे दिन भक्तिन ने क्या कार्य किए? **[3]**

(iii) शिरीष के फूलों के प्रति कालिदास के परवर्ती कवियों का दृष्टिकोण किस प्रकार का था? लेखक ने उन तर्कों का विरोध किस प्रकार किया? **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) बाज़ार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन-सा सशक्त पहलू उभरकर आता है? क्या आपकी नज़र में उनका आचरण समाज में शांति-स्थापित करने में मददगार हो सकता है? **[2]**

(ii) लोक-प्रचलित विश्वासों पर आस्था वैज्ञानिक चिंतन को कुंद कर सकती है- **काले मेघा पानी दे** पाठ के आधार पर इस कथन का विवेचन कीजिए। **[2]**

(iii) **बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर** पाठ के आधार पर जाति-प्रथा के कारण काम के प्रति भारत में क्या स्थिति है? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[10]**

(i) किशन दा और यशोधर बाबू के संबंधों पर टिप्पणी करते हुए पुष्टि कीजिए कि किशन दा के प्रभाव से वे आजीवन मुक्त नहीं हो पाए। **[5]**

(ii) पाठशाला पहुँचकर लेखक को किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ा? उसने उनका समाधान किस प्रकार किया? **जूझ** कहानी के आधार पर लिखिए। **[5]**

(iii) मुअनजो-दड़ो का नगर-नियोजन भव्य एवं अनूठा था। **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए। **[5]**

Solution

SAMPLE QUESTION PAPER - 4

Hindi Core (302)

Class XII (2024-25)

खंड क (अपठित बोध)

1. i. c) पूरे मनोयोग से सुनना

 ii. c) बातों को बाँटते नहीं हैं

 iii. b) पक्षी से

 iv. संवाद की मौन भागीदारी में एक व्यक्ति ध्यानपूर्वक सुनता है, जिससे समस्याएँ सुलझाने की संभावना बढ़ती है, जबकि संवादहीनता में किसी प्रकार का संचार नहीं होता।

 v. संवाद से संबंध बेहतर होते हैं क्योंकि यह समस्याओं के समाधान में मदद करता है और अंतर्राष्ट्रीय मसलों तक को हल करने में सहायक होता है। अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण बनता है और संवाद की आत्मा को क्षति पहुंचाता है।

 vi. श्रोता का ध्यान और धैर्य से सुनना आवश्यक है क्योंकि इससे वह बोलने वाले के मन की परतों को समझ सकता है। ध्यान और धैर्य से सुनना संवाद की सफलता का मूल मंत्र है और यह पवित्र आध्यात्मिक कार्य है।

 vii. सुनने का कौशल यह है कि हम दूसरे की बात ध्यान से सुनें और उसे अनुभव करें। हम इसमें अकुशल इसलिए होते हैं क्योंकि हम अक्सर दूसरे की बात काटने या उसे समाधान सुझाने के लिए उतावले होते हैं, जो संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता।

2. (i) ख) कुल (वंश) के नाम और प्रतिष्ठा को धारण करना

 (ii) ख) परिश्रम और साहस

 (iii) ख) वंश द्वारा नकारे जाने का

 (iv) कुंती पुत्र कहलाने की अपेक्षा स्वयं की पहचान को महत्त्व देना।

 (v) कौरवों द्वारा आश्रय दिए जाने के कारण कर्ण द्वारा उन्हें बचाने का संकल्प करना

 (vi) 'जिस नर की बाँह गही मैंने, जिप्त तक की छाँह गही मैंने' का तात्पर्य है कि कवि ने जिस व्यक्ति का साथ देने का निर्णय लिया है, उसे वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जीवन भर निभाएगा। वह उसकी रक्षा करेगा और उसके लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार रहेगा।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

 (i) **'जब मेरी पहली कविता छपी'**

 नि:संदेह प्रत्येक व्यक्ति की अपनी भावनाएँ होती हैं, और उन भावनाओं को अभिव्यक्त करने का अपना तरीका होता है। कविता जब लय, छंद, रस और अलंकारिक शब्दों व भावों से सुसज्जित होती है तो उद्यान में लगे किसी मनमोहक फूल की तरह खिल जाती है, और मन को पढ़ने-सुनने में आनंदित कर देती है। इसकी ख़ुशबू हमेशा बनी रहती है। इतिहास गवाह है कि कविताएँ कालजयी भी हुई हैं, जो मानस पटल पर अमर-अजर सी हो गई हैं।

 वास्तव में, मेरी पहली कविता को पूर्ण रूप से कविता कहें तो अतिशयोक्ति होगी। उसे सिर्फ़ एक प्रयास का नाम दिया जा सकता है। या यूं कहें कि जब मेरी पहली कविता छपी तो उसमें कोई

विशेषता नहीं थी। केवल मन की भावनाओं को शब्दों का रूप देने की मेरी एक छोटी सी कोशिश थी। जैसे-जैसे मेरी भावना या चेतना का विकास होता गया तथा मेरे अनुभवों में प्रगाढ़ता आती गई, वैसे-वैसे मेरी कविता में भी निखार आता गया।

अतः हम कह सकते हैं कि कविता एक लिखित कृति या रचना है, जो मानवीय अनुभवों को भावनात्मक गहराई और कलात्मक लालित्य के साथ अभिव्यक्त करती है।

(ii) **हिमालय का महत्त्व**

हिमालय पर्वत श्रृंखला भारत की सबसे महत्वपूर्ण और विशाल पर्वतमालाओं में से एक है। यह पर्वत श्रृंखला उत्तर में तिब्बत के पठार और दक्षिण में भारतीय उपमहाद्वीप के बीच एक प्राकृतिक विभाजक के रूप में कार्य करती है। हिमालय का धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय महत्त्व अत्यधिक है।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व: हिमालय को हिंदू धर्म में पवित्र माना जाता है और इसे 'देवताओं का निवास' कहा जाता है। यहाँ कई महत्वपूर्ण तीर्थस्थल स्थित हैं, जैसे बद्रीनाथ, केदारनाथ, अमरनाथ, और कैलाश मानसरोवर1। इन स्थलों पर हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिससे हिमालय का धार्मिक महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

पर्यावरणीय महत्त्व: हिमालय पर्वत श्रृंखला कई महत्वपूर्ण नदियों का स्रोत है, जैसे गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, और सिंधु। ये नदियाँ उत्तर भारत के विशाल मैदानों को सिंचाई के लिए जल प्रदान करती हैं और लाखों लोगों की जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत हैं। इसके अलावा, हिमालय की वनस्पति और जीव-जंतु विविधता भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

आर्थिक महत्त्व: हिमालय क्षेत्र में कई प्रकार की जड़ी-बूटियाँ, खनिज और लकड़ी पाई जाती हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं3। इसके अलावा, हिमालय क्षेत्र में पर्यटन भी एक प्रमुख आर्थिक गतिविधि है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक स्थलों के कारण देश-विदेश से पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है।

रक्षा और जलवायु: हिमालय भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करता है और मध्य एशिया से आने वाली ठंडी हवाओं को रोकता है4। यह भारतीय उपमहाद्वीप के जलवायु को संतुलित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(iii) **"रेल से तीर्थयात्रा"**

वर्तमान समय में 'रेल' यातायात के साधनों में सबसे सस्ता और आरामदायक सेवा है। भारतीय रेलवे का अस्तित्व लगभग सभी बड़े-छोटे महानगरों और शहरों में है। एक समय में हजारों की संख्या में यात्री ट्रेन से सफ़र कर सकते हैं। आजकल बहुत सारी ट्रेनें तीर्थयात्रा के लिए सेवा देती हैं, जिनमें से कुछ सेवा कभी-कभी भारत शासन की ओर से भी शुरू की जाती है (जो विशेष रूप से वृद्ध नागरिकों या तीर्थ यात्रियों के लिए होती है)। 'तीर्थ' अर्थात् एक तरह का पुण्य स्थान, जहाँ पर लोग श्रद्धापूर्वक अपनी मनोकामना लेकर जाते हैं। जहाँ पापों से मुक्ति पाने की परंपरा है। जैसे - काशी, बद्रीनाथ, रामेश्वरम, केदारनाथ, अमरनाथ, बौद्ध गया, अजमेर शरीफ, मक्का मदीना, जेरूसलम इत्यादि।

पिछले साल हमारे गाँव बेलापुर से लगभग 15-20 तीर्थ यात्रियों ने रेल से अलग-अलग तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए रवाना हुए थे। सभी तीर्थ यात्री जब वापस लौटे थे तो गांव में बड़े मान-सम्मान के साथ उनका अभिनंदन किया गया था। सभी तीर्थ यात्रियों ने गांव वालों से अपना-अपना अनुभव

साझा किया तथा छोटे-बड़े सबको एक बार तीर्थ पर जाने के लिए प्रेरित किया। तब मेरी उम्र महज़ 15 साल की थी।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

(i) संचार के मुख्य साधन- टेलीफोन, इंटरनेट, समाचार-पत्र, फैक्स, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा आदि हैं।

(ii) पत्रकार कई प्रकार के होते हैं, जैसे संवादाता, खबरदार, विशेषज्ञ लेखक और संपादक। फ्रीलांसर पत्रकार वे होते हैं जो स्वतंत्रता से काम करते हैं और स्वतंत्र रूप से अपने लेखों या रिपोर्टों को मीडिया को पेश करते हैं। वे स्वतंत्रता के साथ अलग-अलग मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर काम कर सकते हैं और स्वतंत्र रूप से अपनी कीमत तय कर सकते हैं।

(iii) किसी घटना के संदर्भ में क्या, कहाँ, कब, कैसे, क्यों और कौन समाचार के छः ककार हैं। सभी समाचार मूलतः इन्हीं प्रश्नों के उत्तर प्रस्तुत करते हैं।

(iv) नाटक को दृश्य काव्य की संज्ञा दी गई है क्योंकि यह न केवल श्रवण के द्वारा बल्कि दृश्य द्वारा भी दर्शकों के हृदय में रस की अनुभूति कराता है। नाटक का एक निश्चित समय-सीमा में समाप्त होना आवश्यक है क्योंकि नाटक को दर्शक निश्चित समय-सीमा में एक ही स्थान पर देखते हैं इसलिए नाटक के मंच निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही लिए जाते हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)

(i) संवाददाताओं की रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखते हुये उनके मध्य काम का जो बंटवारा किया जाता है, उसे ही बीट कहते हैं। जैसे एक संवाददाता की बीट अपराध है तब इसका अर्थ है कि उसका कार्यक्षेत्र अपने शहर या क्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधियों की रिपोर्टिंग करना है।

(ii) पत्र-पत्रिकाओं में खेलों के बारे में लिखने वाले पत्रकारों को निम्नलिखित तीन विषयों में जानकारी होनी चाहिए:

   i. **खेल प्रवृत्तियाँ और नवीनतम ट्रेंड:** पत्रकार को खेलों की विभिन्न प्रवृत्तियों को समझना चाहिए, जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, हॉकी, बैडमिंटन, और अन्य खेल। उन्हें खेल के नवीनतम ट्रेंड, तकनीकी उन्नति, खिलाड़ियों के रिकॉर्ड और विश्लेषण के बारे में अपडेट रहना चाहिए।
   ii. **खेल संघों और महत्वपूर्ण आयोजनों:** पत्रकार को खेल संघों और महत्वपूर्ण खेल आयोजनों की जानकारी होनी चाहिए, जैसे अंतरराष्ट्रीय खेल समारोह, खेल में अहम टूर्नामेंट, और खेल संघों के नियम और निर्देश।
   iii. **खेल जगत की विविधता:** पत्रकार को खेल जगत की विविधता के बारे में जानकारी होनी चाहिए, जैसे महिला खेल, पैरालंपिक खेल, युवा खेल, रेसिंग, एक्शन स्पोर्ट्स, और विभिन्न खेल के आपक्षिक विशेषताएँ। उन्हें विविधता के माध्यम से खेल की समाजिक, सांस्कृतिक, और राजनीतिक पहलुओं को समझना चाहिए।

(iii) फीकाह्र की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

- फीचर सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है।

- फीचर लेखन की कोई एक निश्चित शैली नहीं होती तथापि फीचर लेखन में कथात्मक शैली प्रमुख होती है।
- फीचर वैयक्तिकता पर आधारित होता है।
- फीचर सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाला होता है।

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं-
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है!
दिन जल्दी- जल्दी ढलता है!

(i) **(क)** पथ में
व्याख्या:
पथ में

(ii) **(ग)** मंजिल
व्याख्या:
मंजिल

(iii) **(ग)** पंथी
व्याख्या:
पंथी

(iv) **(क)** जल्दी-जल्दी
व्याख्या:
जल्दी-जल्दी

(v) **(क)** जल्दी-जल्दी
व्याख्या:
जल्दी-जल्दी

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) कविता 'छोटा मेरा खेत में ' रस के अक्षय पात्र के रूप में कवि की अभिव्यक्ति अर्थात उसके काव्य रचना की ओर संकेत किया गया है । जिस प्रकार अक्षयपात्र में निहित सामग्री कभी समाप्त नहीं होती और पात्र सर्वदा सभी को संतुष्टि प्रदान करता है उसी प्रकार कवि की कविता का रस एवं भाव सौन्दर्य अनंतकाल तक अपने पाठकों और श्रोताओं को आनंद देता रहता है।

(ii) राम और लक्ष्मण सगे भाई नहीं थे। वे सौतले भाई थे लेकिन उनके मध्य जो प्रेम था, वे सगे भाइयों से भी बढ़कर था। लक्ष्मण सदैव राम के साथ छाया के समान बने रहे। राम को जब वनवास मिला, तो वह चुपचाप राम के साथ हो लिए। उन्होंने अपनी पत्नी तथा माता-पिता तक का त्याग कर दिया। बस राम की सेवा को ही अपना कर्तव्य समझा। राम उनके लिए भाई नहीं बल्कि स्वामी के समान थे। अपने सौतेले भाई के प्रेम के कारण ही राम ने ऐसे शब्द कहे। इस प्रकार का प्रेम तो

सगा भाई भी नहीं कर सकता, जैसा सौतेले भाई ने किया था। अतः राम उन्हें सगा ही मानते थे। राम की प्रत्येक विपत्तियों उन्होंने सहायता की। अपने भाई के स्नेह, सेवा, त्याग,तपस्या को देखकर ही उन्होंने ऐसा कहा होगा।

(iii) कवि ने चिड़िया, फूलों और बच्चे की उड़ान के साथ कविता की तुलना करते हुए कविता को बच्चे के समान बताया है क्योंकि कविता की उड़ान असीमित होती है उसी प्रकार बच्चे की कल्पना की उड़ान भी सीमारहित होती है। एक बच्चा समाज के भेदभाव से निर्लिप्त रहता हुआ समानता की भावना का प्रसार करता है, उसी प्रकार कविता भी अमीर-गरीब या ऊँच-नीच का भेदभाव किए बिना समान भाव से सबके लिए पठनीय होती है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) i. तुलसी द्वारा कृत एक रचना-
जानि सरद रितु खंजन आए।
पाइ समय जिमि सुकृत सुहाए।

ii. जायसी द्वरा कृत रचना का एक भाग-
भइ निसि, धनि जस ससि परगसी । राजै-देखि भूमि फिर बसी॥
भइ कटकई सरद-ससि आवा । फेरि गगन रवि चाहै छावा॥

तुलसीदास जी ने शरत ऋतु में खंजन पक्षी का वर्णन किया है और जायसी ने शरद ऋतु के समय चाँद तथा रात का वर्णन किया है। पतंग कविता में जहाँ सुबह का वर्णन मिलता है, वहीं इस ऋतु में पतंग उड़ाते बच्चों की बालसुलभ ऊँचाइयों को छूने की भावनाओं का सुन्दर दृश्य दृष्टिगोचर होता है। तीनों की कविता में अलग-अलग वर्णन हैं।
(छात्र विद्यालय में इस विषय में और बात करें।)

(ii) दूरदर्शन के स्टूडियो में अपाहिज से इस प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनसे साक्षात्कारकर्ता की संवेदनहीनता के ही दर्शन होते हैं, उससे पूछा गया कि क्या आप अपाहिज हैं? तो आप अपाहिज क्यों हैं? आपका अपाहिजपन तो दुःख देता होगा? ऐसे कई निरर्थक प्रश्नों के पूछे जाने के पीछे एकमात्र उद्देश्य है अपाहिज की मज़बूरी का लाभ उठाकर चैनल द्वारा अपना कार्यक्रम सफल बनाना। इस उदाहरण के माध्यम से कवि पाठक का परिचय एक छिछली और ओछी व्यावसायिक मानसिकता वाले मीडिया से करवाना चाहता है।

(iii) **निम्नलिखित संबोधनों की व्याख्या इस प्रकार हैं-**

i. अरे वर्ष के हर्ष!- बादलों को ऐसा संबोधन दिया गया है क्योंकि बादल वर्ष में एक बार आते हैं। जब आते हैं, तो पूरी पृथ्वी को बारिश रूपी सौगात दे जाते हैं। वर्षा का जल पाकर किसान, लोग, धरती तथा जीव-जन्तु सब हर्ष से भर जाते हैं।

ii. मेरे पागल बादल!- बादल मदमस्ती का प्रतीक है। बादल मतवाले होते हैं। जहाँ मन करता है, वहीं बरस जाते हैं। पागल व्यक्ति के समान गर्जना करते हैं, हल्ला मचाते हैं और यहाँ से वहाँ घूमते-रहते हैं। इसलिए उन्हें पागल कहा गया है।

iii. ऐ निर्बंध!- बादल बंधन से मुक्त होते हैं। इन्हें कोई बंधन में नहीं बांध सकता है। जहाँ इनका मन होता है, वहाँ जाते हैं और वर्षा करते हैं।

iv. ऐ स्वच्छंद!- बादल स्वच्छंद होते हैं। इन्हें कोई कैद में नहीं रख सकता है। स्वच्छंदतापूर्वक एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं।

v. ऐ उद्दाम!- बादल बहुत क्रूर तथा प्रचण्ड होते हैं। वर्षा आने से पूर्व यह आकाश में कोहराम मचा देते हैं। भंयकर गर्जना से चारों तरफ भय उत्पन्न हो जाता है। मनुष्य को आकाश में अपने होने की सूचना देते हैं। तेज़ आंधी तथा तूफान चलने लगता है। मनुष्य इनकी उपस्थिति को नकार नहीं सकता है।

vi. ऐ सम्राट!- बादल सम्राट हैं। वे किसी की नहीं सुनते हैं, स्वतंत्रतापूर्वक घूमते हैं, अपनी शक्ति से लोगों को डरा देते हैं, बंधन मुक्त होते हैं, लोगों का पोषण करने वाले हैं, सारे संसार में विचरण करते हैं। उनके इन गुणों के कारण उन्हें सम्राट कहा गया है।

vii. ऐ विप्लव के प्लावन!- प्रलयकारी हैं। बादल में ऐसी शक्ति हैं कि वे चाहे तो प्रलय ला सकते हैं। जब बादले फट जाते हैं, तो चारों तरफ भयंकर तबाही मच जाती है। इसी कारण उन्हें ऐ विप्लव के प्लावन कहा गया है।

viii. ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!- बादल ऐसे सुकुमार शिशु हैं, जो सदियों से हमारे साथ हैं। अपने सुंदर-सुंदर रुपों से ये हमें बच्चे के समान जान पड़ते हैं। इनका यह स्वरूप सदियों से चला आ रहा है। बच्चों के समान ही चिंतामुक्त होकर घूमते फिरते रहते है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात् भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए, जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह है कि दूध और पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है, क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इनमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो।

(i) **(घ)** गतिशीलता

व्याख्या:

गतिशीलता

(ii) **(घ)** स्वयं की

व्याख्या:

स्वयं की

(iii) **(ग)** लोकतंत्र

व्याख्या:

लोकतंत्र

(iv) **(घ)** भेदभाव की समाप्ति

व्याख्या:

भेदभाव की समाप्ति

(v) **(घ)** साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव

व्याख्या:

साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) लुट्टन सिंह पहलवान के दो पुत्र थे। वह उन दोनों को प्रातःकाल ही उठाकर ढोलक की ताल पर उनकी शक्ति को बढ़ाने के लिए कसरत करवाता और दाँव पेचों की जानकारी देता। उन्हें वह सांसारिक ज्ञान के साथ-साथ यह भी समझाता कि उनका कोई गुरु नहीं है। वे केवल ढोलक को ही अपना गुरु समझें तथा दंगल में उतरने से पहले ढोलक को अवश्य प्रणाम करें। इसके अलावा कब, कैसे और क्या व्यवहार करके अपने मालिक को खुश रखा जाता है, इन सबकी भी शिक्षा वह अपने बेटों को देता था।

(ii) लेखिका के घर आने पर लेखिका के सारे कामकाज को पूरा करने के लिए कठोर परिश्रम करती है। वह लेखिका के प्रत्येक कार्य में उनकी सहायता करती। इधर-उधर बिखरी किताबों, अधूरे चित्रों आदि सामान को वह सँजोकर रख देती है। दूसरे दिन भक्तिन ने सवेरे जल्दी उठकर घर की साफ-सफाई की, फिर उसने स्नान किया और लेखिका की धुली धोती को भी जल के छींटें छिड़ककर पहना। पूजा करने के उपरांत उगते सूर्य को जल दिया, फिर पीपल पर जल चढ़ाया और जप किया।

(iii) शिरीष के फूलों की कोमलता देखकर कालिदास के परवर्ती कवियों ने सोचा कि शायद उनके सभी भाग कोमल हैं। उनके इस तर्क को लेखक ने एक भूल कहा है। उसके अनुसार, शिरीष के फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूलों के निकलने के बाद भी ये अपना स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फूल, फल, पत्ते मिलकर उन्हें धक्का देकर बाहर नहीं कर देते, तब तक वे वहीं डटे रहते हैं। वसंत के आने पर भी शिरीष के पुराने फल खड़-खड़ाते रहते हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) बाज़ार में भगत जी के व्यक्तित्व का यह सशक्त पहलू उभरकर सामने आता है कि उन्हें अपनी आवश्यकताओं का भली-भाँति ज्ञान हैं। वे उतना ही कमाना चाहते हैं जितनी की उन्हें आवश्यकता है।

बाज़ार उन्हें कभी भी आकर्षित नहीं कर पाता वे केवल अपनी जरुरत के सामान के लिए बाज़ार का उपयोग करते हैं। वे खुली आँखें,संतुष्ट मन और मग्न भाव से बाजार जाते हैं।

भगतजी जैसे व्यक्ति समाज में शांति और व्यवस्था लाते हैं क्योंकि इस प्रकार के व्यक्तियों की दिनचर्या संतुलित होती है और ये बाज़ार के आकर्षण में फँसकर अधिक से अधिक वस्तुओं का संग्रह और संचय नहीं करते हैं जिसके फलस्वरूप मनुष्यों में होड़, अशांति के साथ महँगाई भी नहीं बढ़ती। अत: समाज में भी शांति बनी रहती है।

(ii) लोक प्रचलित विश्वासों पर आधारित आस्था पर्याप्त महत्त्व रखती है। यह आस्था वैज्ञानिक चिंतन को कुंद कर सकती है।

लेखक वैज्ञानिक चिंतन को महत्त्व देता है, परंतु उसकी दीदी लोक प्रचलित विश्वासों को अधिक

महत्त्व देती है। लेखक को भी अपनी दीदी की भावनाओं का सम्मान करना अधिक उचित लगता है क्योंकि वह अपनी दीदी का सम्मान करता है । दीदी कहती है कि वर्षा के लिए मेंढक मंडली पर पानी डालना चाहिए। लेखक इसे उचित नहीं समझता, परंतु दीदी की लोकमान्यता के प्रति आस्था देखकर वह नतमस्तक हो जाता है।

(iii) जाति-प्रथा के कारण भारत में काम के प्रति अरुचि की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके कारण न तो व्यक्ति विपरीत दशाओं में अपना व्यवसाय बदल सकता और न ही वह अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार रह पाता। कभी-कभी वह इस प्रथा के कारण भूख से मरने की स्थिति में भी पहुँच जाता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) यशोधर बाबू किशनदा के प्रभाव से आजीवन मुक्त नहीं हो पाए। क्योंकि दोनों का संबंध स्नेहपूर्ण, प्रगाढ़ तथा असीम था। जहाँ किशनदा यशोधर बाबू के आदर्श थे, तो वहीं यशोधर बाबू स्वयं को किशनदा का प्रतिरूप बनाने का यत्न करते रहते थे। यशोधर बाबू द्वारा किशनदा की जीवन-शैली को ज्यों का त्यों अपना लेना और हर कार्य को उनकी तरह ही करना, इस बात का संकेत देता है कि यशोधर बाबू किशनदा के प्रभाव से आजीवन मुक्त नहीं हो पाए।

(ii) जूझ कहानी के मुताबिक, लेखक को पाठशाला पहुंचने के बाद कई परेशानियों का सामना करना पड़ा:

- लेखक के पिता उसे पढ़ाना नहीं चाहते थे और खेती-बाड़ी का काम करवाना चाहते थे।
- लेखक की उम्र से छोटी कक्षा में होने की वजह से बाकी बच्चे उसे चिढ़ाते थे।
- स्कूल में गणवेश और किताबें खरीदने में परेशानी हुई।
- लेखक ने खेती के काम में भी मदद की, लेकिन वह खेती करते समय आस-पास के दृश्यों पर कविताएं भी बनाने लगा।

लेखक को इन परेशानियों से निपटने के लिए उसकी मां ने मदद की। जब लेखक के पिता ने उसे स्कूल जाने से मना कर दिया, तब उसने अपनी मां को अपनी परेशानी बताई। मां ने गांव के प्रभावशाली व्यक्ति दत्ता जी राव से मदद ली। इसके लिए उन्होंने पिता पर दबाव बनाने के लिए झूठ का सहारा लिया। उन्होंने पिता से कहा कि दत्ता जी ने उन्हें बुलाकर लेखक को स्कूल भेजने के लिए कहा है।

(iii) मुअनजो-दड़ो का नगर-नियोजन भव्य एवं अनूठा था क्योंकि इसे अतीत में दबे पाँव बनाया गया था। पाठ में बताया जाता है कि इस नगर-नियोजन ने अपार विज्ञानिक ज्ञान, गहन अनुसंधान और रचनात्मकता का सम्मिलित उपयोग किया। इसके परिणामस्वरूप, मुअनजो-दड़ो का नगर-नियोजन आज भी विश्वस्तरीय मान्यता और उपास्यता रखता है।